प्रीलिम्स फैक्ट्स : 06 नवंबर, 2018

भंगरू

- भंगरू एक जल सरंक्षण तकनीक है। यह गुजराती शब्द है जिसका अर्थ है 'स्ट्रॉ'।
- इस तकनीक का प्रयोग मिट्टी में अधिक लवणता वाले क्षेत्रों में किया जाता है। इस तकनीक का उपयोग कर बारिश का पानी खेतों में ही ज़मीन के नीचे एकत्र कर लिया जाता है।
- इस तकनीक के उपयोग से मृदा की लवणता में कमी आई है और किसानों को सूखे की मार से बचाने के साथ ही ताज़े पानी की आपूर्ति में वृद्धि हुई है।
- इस प्रणाली को ज़मीन में इस तरह फिट किया जाता है कि ज़मीन के बाहर का पानी इससे होता हुआ पहले फिल्टर में जाता है जहाँ पानी के साथ आए कूड़े-कंकड़ इत्यादि को फ़िल्टर किया जाता जाता है। फ़िल्टर होने के बाद यह पानी ज़मीन के भीतर बने कुएँ में जमा हो जाता है।
- आवश्यकता पड़ने पर पानी को मोटरपम्प की सहायता से बाहर निकालकर इस्तेमाल किया जा सकता है।

बाघिन अवनि

हाल ही में महाराष्ट्र के यवतमाल ज़िले में नरभक्षी बाघिन अवनि को मार दिया गया। माना जाता है कि इस बाघिन ने पिछले दो सालों में लगभग 13-14 लोगों की जान ली थी। इस बाघिन के नरभक्षी होने के बावजूद इसकी हत्या का विरोध भी किया जा रहा है।

- अवनि को अधिकारिक रूप से टी-1 (T-1) के नाम से जाना जाता था और इसके दो शावक भी हैं।
- इस बाघिन को मारने की ज़िम्मेदारी निशानेबाज़ असगर अली को दी गई थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-06-november-2018